University in News on 17 September 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

स्नातक के चौथे साल में 25% ही पाएंगे प्रवेश

लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातक आर्डिनेंस में 7.5 सीजीपीए से ज्यादा वाले विद्यार्थियों को ही मिलेगा चौथे वर्ष का विकल्प

सचिन त्रिपाठी

लखनऊ। देश भर में सबसे पहले नई शिक्षा नीति लागू करने वाले लखनऊ विश्वविद्यालय में 75 फीसदी विद्यार्थियों को स्नातक के चौथे वर्ष में दाखिले का विकल्प ही नहीं मिल पाएगा। नई शिक्षा नीति में सबसे ज्यादा जोर छात्रों के बहुमुखी विकास पर दिया गया है।

इसी मंशा के तहत नई शिक्षा नीति में स्नातक चौथे वर्ष में डिग्री विद रिसर्च और डिग्री विद मल्टी डिसिप्लन के विकल्प दिए गए हैं, लेकिन लविवि ने स्नातक में जो आर्डिनेंस पास किया है, उसके हिसाब से मुश्किल से 25 फीसदी को ही चौथे वर्ष में दाखिले का विकल्प दिया गया है।

नई शिक्षा नीति की मंशा के अनुरूप 7.5 सीजीपीए से कम वाले विद्यार्थियों के लिए नहीं है व्यवस्था

नई शिक्षा नीति छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा संवारने के लिए विभिन्न विषयों के साथ ही क्षेत्रीय भाषा, रोजगार आदि की बात भी करती है। इसी मंशा के तहत विद्यार्थी को वर्ग विशेष की शिक्षा के बजाय विभिन्न विषयों का ज्ञान देने के लिए मल्टी डिसिप्लिन की व्यवस्था लागू की गई है। इसके अनुसार कला वर्ग के विद्यार्थी को विज्ञान और विज्ञान के विद्यार्थियों को अन्य विषय पढ़ने की आजादी दी गई है। लविवि ने हाल ही में एकेडमिक काउंसिल से अपना स्नातक आर्डिनेंस पास किया है। इसमें 7.5 सीजीपीए से ज्यादा वाले विद्यार्थियों को ही डिग्री विद रिसर्च का विकल्प दिया है। यानी ये विद्यार्थी ही चौथे वर्ष में दाखिला ले सकेंगे। ऐसे विद्यार्थियों की संख्या कुल में से अधिकतम 25 फीसदी होती है।

मल्टी डिसिप्लिनरी डिग्री वाले के लिए दो साल का होगा पीजी

नई शिक्षा नीति और लविवि के स्नातक आर्डिनेंस की व्यवस्था के अनुसार चार वर्षीय डिग्री विद रिसर्च की डिग्री वाले विद्यार्थियों के लिए परास्नातक की पढ़ाई सिर्फ एक साल की होगी। वहीं, मल्टी मल्टी डिसिप्लिनरी डिग्री के मामले में भी विद्यार्थी का स्नातक चार साल का होगा, लेकिन उसके लिए दो वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम में दाखिले का ही मौका होगा। मल्टी डिसिप्लिनरी डिग्री के लिए स्नातक चौथे वर्ष की पढ़ाई के दौरान विद्यार्थी अपने तीन साल तक पढ़े गए विषयों के अलावा अन्य स्ट्रीम के विषय भी पढ़ सकता है। स्नातक आर्डिनेंस में इसकी व्यवस्था न होने की वजह से विद्यार्थियों के पास इसका विकल्प ही नहीं होगा।

> लविवि भारत सरकार की मंशा के अनुरूप नई शिक्षा नीति लागू कर रहा है। यहां परिसर के साथ ही संबद्ध कॉलेजों में भी पढ़ाई होती है। नई शिक्षा नीति एक साथ सभी में लागू हुई है। एक साथ सारे बदलाव लागू करने पर गलतफहमी की स्थिति पैदा हो सकती है। इसलिए फिलहाल सिर्फ डिग्री विद रिसर्च का ही विकल्प दिया गया है। आगे चलकर अन्य बदलाव लागू होंगे। **-प्रो. आलोक कुमार राय,** कुलपति, लविवि

लविवि : कई पाठ्यक्रमों में सीट आवंटन जारी

लखनऊ। लविवि में परास्नातक में प्रवेश के लिए शनिवार को कई विषयों में चौथा, पांचवां व छठा सीट आवंटन जारी किया गया। अभ्यर्थी लविवि की वेबसाइट पर विवरण देख सकते हैं। विवि ने एमकॉम कॉमर्स, अप्लाइड इकॉनमिक्स, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी में छठा, एमए इकॉनमिक्स, अंग्रेजी, पॉलीटिकल साइंस, सोशियोलॉजी, जेएमसी, एमएससी गणित, केमिस्ट्री व बायोकेमिस्ट्री में पांचवां, एमए साइकोलॉजी, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एजुकेशन, जाग्रफी, हिंदी, सोशल वर्क, हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन व एमएससी फॉरेंसिक साइंस, जियोलॉजी, फिजिक्स और जूलॉजी में चौथा सीट आवंटन जारी किया गया है। (संवाद)

शिक्षिका को मिला 30 लाख का अनुदान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की प्राणि विज्ञान विभाग की शिक्षक डॉ. आकांक्षा शर्मा को विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड की ओर से एसईआरबी स्टार्टअप परियोजना के तहत 30 लाख रुपये का अनुदान दिया है। वह न्यूरल बेसिस ऑफ एक्वियन माइग्रेशन (पक्षियों का स्थान बदलने) विषय पर शोध करेंगी। (संवाद)

NBT PAGE 2, 6

अच्छी खबर बीबीए रिटेल, हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक्स, बीएससी टूरिज्म कोर्स शुरू करने की मिली मंजूरी

LU से जुड़े 16 कॉलेजों में शुरू होंगे स्किल डिग्री कोर्स

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एलयू से संबद्ध 16 कॉलेजों में इसी सत्र से नए स्किल डिग्री कोर्स शुरू हो जाएंगे। हाल में हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में क्रिएम के माध्यम से एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए एलयू से जुड़े 16 कॉलेजों में नए स्किल डिग्री कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इसमें शहर के 10 कॉलेज शामिल हैं। वहीं हरदोई, रायबरेली, सीतापुर व लखीमपुर खीरी के 6 कॉलेज शामिल हैं। इन कॉलेजों में सत्र 2023-24 से ही बीबीए रिटेल, हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक्स और बीएससी टूरिज्म व हॉस्पिटलिटी जैसे स्किल कोर्स शुरू होंगे। इसके लिए सभी कॉलेजों को एलयू की ओर से पत्र जारी कर दिया गया है। जिसके अनुसार कॉलेज कोर्स का चयन कर सकते हैं। इसके बाद उन्हें प्रवेश लेने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाएगा।

शहर में केकेसी, शिया, कालीचरण, नवयुग समेत 10 कॉलेजों में शुरू होंगे कोर्स, चार जिलों के छह कॉलेजों में भी मिली अनुमति

शहर के इन कॉलेजों में शुरू होंगे ये कोर्स

कॉलेज	स्किल कोर्स
केकेसी	बीबीए लॉजिस्टिक्स
शिया पीजी कॉलेज	बीएससी टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी
नवयुग कन्या महाविद्यालय	बीबीए लॉजिस्टिक्स
कालीचरण पीजी कॉलेज	बीबीए हेल्थकेयर
डीडीयू गर्ल्स	बीबीए हेल्थकेयर
करामत हुसैन मुस्लिम गर्ल्स	बीबीए रिटेल
आईटी कॉलेज	बीएससी टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी
नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला गर्ल्स कॉलेज	बीबीए रिटेल
गोयल इंस्टिट्यूट	बीबीए रिटेल
हीरालाल डाग्रा बालिका डिग्री कॉलेज	बीबीए रिटेल

> एलयू से संबद्ध 16 कॉलेजों में कौशल अंतर्निहित डिग्री कोर्स शुरू किए जाने का प्रस्ताव एकेडमिक काउंसिल में रखा गया था। इसे पास कर दिया गया है। सत्र 2023-24 से ही कॉलेज बीबीए रिटेल, बीबीए लॉजिस्टिक्स, बीबीए हेल्थकेयर और बीएससी टूरिज्म व हॉस्पिटैलिटी का कोर्स शुरू कर सकेंगे। इस संबंध में लेटर भी संबंधित कॉलेजों को भेज दिया गया है।
> – प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी, एलयू

पीजी के कई विषयों में चौथा सीट अलॉटमेंट जारी

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ:

एलयू में पीजी के कई विषयों के लिए चौथा, पांचवां व छठा सीट अलॉटमेंट शनिवार को जारी कर दिया गया। अभ्यर्थी घर में दिए गए अपने लॉगिन आईडी का प्रयोग करके सीट अलॉटमेंट देख सकते हैं। एमएससी फॉरेंसिक, भौतिक, भू-गर्भ, प्राणि विज्ञान, एमए मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र, भूगोल, हिंदी, अस्पताल प्रबंधन, लोक प्रशासन, समाज कार्य में भी चौथी बार सीटें आवंटन की गई। इसी तरह एमए व एमएससी के आठ विषयों में पांचवा सीट अलॉटमेंट किया। वहीं एकाउंट, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी में छठे सीट आवंटन का ऐलान किया गया। 18 सितंबर की रात 12 बजे तक अभ्यर्थी ऑनलाइन फीस जमा कर सकते हैं।

तैयारी शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए लिया गया फैसला

यूरोपियन देश जाएगा LU के शिक्षकों का दल

■ **एनबीटी सं, लखनऊ :** शैक्षणिक गुणवत्ता को और बेहतर करने के लिए एलयू के शिक्षकों का एक दल जल्द यूरोपियन कंट्रीज भ्रमण पर जाएगा। यह दल वहां की यूनिवर्सिटीज के स्पेशलाइजेशन की जानकारी एकत्र करेगा।

एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एनआईआरएफ और क्यूएस रैंकिंग में परसेप्शन की अहम भूमिका होती है। परसेप्शन में मार्किंग विदेशी विवि देते हैं। ऐसे में ये विश्वविद्यालय रैंकिंग तभी देंगे, जब एलयू की उनके साथ शैक्षणिक गतिविधियां होंगी। एलयू के शिक्षक जब यूरोपियन कंट्रीज में जाएंगे तो वहां के विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षिक समझौते करेंगे। इंटरनैशनल स्तर पर शैक्षणिक गतिविधियों की शुरुआत होने से एलयू में शैक्षिक स्तर और बेहतर होगा।

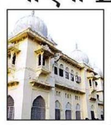

एक्यूरियल साइंस का कोर्स शुरू होगा: एलयू के सांख्यिकी और भूविज्ञान में जल्द प्रोफिशिएंसी कोर्स शुरू होगे। वीसी के मुताबिक, मौजूदा समय में एक्यूरियल साइंस में काफी स्कोप है। बीमा के क्षेत्र में डाटा कलेक्शन के लिए इसकी काफी मांग है। पहले चरण में इसमें सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया जाएगा। आगे पीजी स्तर पर शुरू करने का निर्णय लिया जाएगा। ऐसा इसलिए किया जाएगा ताकि किसी भी पीजी कोर्स के शुरू होने के बाद उसे बंद करने की नौबत न आए। सर्टिफिकेट कोर्स छह महीने और एक वर्ष के होंगे।

डॉ. आकांक्षा को शोध के लिए मिला अनुदान

■ **एनबीटी सं, लखनऊ :** एलयू की प्राणि विज्ञान विभाग में असिस्टेंट प्रफेसर डॉ. आकांक्षा शर्मा को अनुसंधान के लिए ₹30 लाख का अनुदान मिला है। उन्हें यह अनुदान तीन वर्ष के लिए अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड नई दिल्ली की एसईआरबी-स्टार्ट अप परियोजना के तहत 'न्यूरल बेसिस ऑफ एवियन माइग्रेशन' विषय पर शोध करने के लिए मिला है। एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने शिक्षिका को बधाई दी है।

HINDUSTAN PAGE 6

बीबीए रिटेल, हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक्स और बीएससी टूरिज्म व हॉस्पिटलिटी कोर्स शुरू करने की मंजूरी

लखनऊ के 10 कॉलेजों में कौशल डिग्री कोर्स

फैसला 1

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध 16 कॉलेजों में इसी सत्र से नए स्किल (कौशल) डिग्री कोर्स शुरू किए जाएंगे। कुलपति की अध्यक्षता में हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में यह फैसला लिया गया।

क्रिएम के माध्यम से एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए एलयू से जुड़े 16 कॉलेजों में नए स्किल डिग्री कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इसमें शहर के 10 कॉलेजों समेत हरदोई, रायबरेली, सीतापुर व लखीमपुर खीरी के छह कॉलेज शामिल हैं। इन कॉलेजों में सत्र 2023-24 से ही बीबीए रिटेल, हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक्स और बीएससी टूरिज्म व हॉस्पिटलिटी जैसे स्किल कोर्स शुरू होंगे। इसके लिए सभी कॉलेजों को एलयू की ओर से पत्र जारी कर दिया गया है। जिसके अनुसार कॉलेज कोर्स का चयन कर सकते हैं। इसके बाद उन्हें प्रवेश लेने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाएगा।

बीफार्मा में करीब एक हजार पंजीकृत : एकेटीयू से संबद्ध फॉर्मेसी संस्थानों में प्रवेश के लिए पंजीकरण के दूसरे दिन एक हजार से ज्यादा ने पंजीकरण कराया। डॉक्यूमेंट अपलोड की प्रक्रिया 22 सितंबर तक चलेगी।

04 जिलों के छह कॉलेजों में भी कोर्स आरम्भ करने की अनुमति

12 को हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में प्रस्ताव पास हुआ

यहां नए कोर्स शुरू होंगे

कॉलेज	स्किल कोर्स
केकेसी	बीबीए लॉजिस्टिक्स
शिया पीजी कॉलेज	बीएससी टूरिज्म
नवयुग कन्या महाविद्यालय	बीबीए लॉजिस्टिक्स
कालीचरण पीजी कॉलेज	बीबीए हेल्थकेयर
डीडीयू गर्ल्स	बीबीए हेल्थकेयर
करामत हुसैन गर्ल्स	बीबीए रिटेल
आईटी कॉलेज	बीएससी टूरिज्म
नेताजी सुभाष चंद्र बोस	बीबीए रिटेल
गोयल इंस्टीट्यूट	बीबीए रिटेल
हीरालाल डिग्री कॉलेज	बीबीए रिटेल

> 16 कॉलेजों में कौशल अंतर्निहित डिग्री कोर्स शुरू किए जाने का प्रस्ताव एकेडमिक काउंसिल में रखा गया था। इसे पास कर दिया गया है। इस संबंध में पत्र भी संबंधित कॉलेजों को भेज दिया गया है।
> **प्रो. आलोक कुमार राय,** कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

एलयू में एक्यूरियल साइंस शुरू होगा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी और भूविज्ञान विभाग में प्रोफिशिएंसी कोर्स शुरू करने के कुलपति ने निर्देश दिए हैं। सांख्यिकी विभाग को एक्यूरियल साइंस का कोर्स शुरू करने की सलाह भी दी है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि सांख्यिकी और भूविज्ञान में प्रोफिशिएंसी कोर्स शुरू होंगे। उनका कहना है कि मौजूदा समय में एक्यूरियल साइंस में काफी स्कोप है। पहले चरण में इसमें सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया जाएगा। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि 18 सितंबर की रात 12 बजे तक ऑनलाइन फीस जमा करने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

पीजी के 11 विषयों में सीटों का आवंटन

लखनऊ। एलयू में पीजी के कई विषयों के लिए चौथा, पांचवां व छठा सीट आवंटन शनिवार को जारी किया गया।

एमएससी फॉरेंसिक, भौतिक, भू-गर्भ, प्राणि विज्ञान में चौथा सीट आवंटन जारी हुआ। एमए मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र, भूगोल, हिंदी, अस्पताल प्रबंधन, लोक प्रशासन, समाज कार्य में भी चौथी बार सीटें आवंटित की गई। इसी तरह एमए व एमएससी के आठ विषयों में पांचवा सीट अलॉटमेंट घोषित हुआ। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि 18 सितंबर की रात 12 बजे तक ऑनलाइन फीस जमा करने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

JAGRAN CITY PAGE III

बी.एससी., एम.एससी. व एम.काम. में नए पेपर पढ़ने की सुविधा

लवि के विभागों के प्रस्ताव को एकेडमिक काउंसिल में मिली मंजूरी

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के बी.एससी, एम.एससी व एम.काम. के पाठ्यक्रम में छात्र-छात्राओं को कई नए पेपर पढ़ने का विकल्प मिलेगा। विभागों की ओर से भेजे गए इस प्रस्ताव को बीते एकेमिक काउंसिल में मंजूरी दे दी गई है।

लवि में अनिवार्यतः विज्ञान संकाय प्रफेसर विभूति राय ने बताया कि जंतु विज्ञान विभाग में बी.एससी चौथे सेमेस्टर में इंटरोन्यूरोबिज्ञान जुलाजी पेपर शामिल किया है। एम.एससी तीसरे व चौथे सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं मेजर इलेक्टिव के रूप में मालीकुलर जेनेटिक्स पेपर पढ़ सकेंगे। अभी तक इसमें फिश, पैरासाइटोलाजी, इंडोक्राइनोलाजी, इंटीग्रालेजी पढ़ाया जाता था। अब एक और पेपर की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा गणित विभाग में वोकेशनल कोर्स के रूप में एलीमेंट्री क्रिप्टोग्राफी को शामिल किया गया है।

एम.काम दूसरे सेमेस्टर में अनिवार्य पेपर : वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर राम मिलन ने बताया कि एम.काम. चौथे सेमेस्टर के सिलेबस में अभी तक बिजनेस रिसर्च मैथेडोलाजी पेपर विकल्प के रूप में था। अब इसे दूसरे सेमेस्टर में अनिवार्य कर दिया गया है।

बी.काम., एम.काम. का आनलाइन कोर्स भी तैयार : विश्वविद्यालय ने आनलाइन पाठ्यक्रम के संचालन में जिन नौ कोर्सों को अनुमोदन दिया है, उसमें बी.काम. व एम.काम. कामर्स भी शामिल है। आनलाइन एम.काम. पाठ्यक्रम के तीसरे सेमेस्टर में इंटरनेशनल मार्केटिंग, इंटरनरेशनल बिजनेस एंड फाइनेंस जोड़ा गया है। इसके अलावा तीसरे व चौथे सेमेस्टर के लिए दो स्पेशलाइजेशन के रूप में फाइनेंस अकाउंटिंग व मार्केटिंग भी पढ़ाया जाएगा।

तिथि : पीजी के 22 विषयों में सीट आवंटन: लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक कोर्सों में दाखिले के लिए 22 विषयों में विभिन्न सीट आवंटन के परिणाम जारी किए। अभ्यर्थी अपनी लागइन पर परिणाम देख कर 18 सितंबर की रात 12 बजे तक फीस जमा कर सकते हैं।

प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर ने इसका नोटिफिकेशन जारी किया है। प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एम.एससी बायो टेक्नोलाजी, एम.काम अप्लाइड इकोनामिक्स, एम.काम कामर्स में छात्र, एम.ए इकोनामिक्स, इंग्लिश, पालिटिकल साइंस, सोशियोलाजी, मास्टर जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, एम.एससी केमिस्ट्री, एम.एससी मैथ्स, एम.एससी बायो केमिस्ट्री फॉर्वर्ड सीट आवंटन जारी किया गया है।

इसी तरह एमए साइकोलाजी, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, जाग्रफी, हिंदी, मास्टर सोशल वर्क, मास्टर हास्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, एम.एससी फारेंसिक साइंस, एम.एससी जियोग्राफी, एम.एससी फिजिक्स, एम.एससी जूलाजी में चौथा सीट आवंटन किया गया।

लवि : स्टार्टअप के लिए शिक्षिका को 30 लाख का अनुदान

डा. आकांक्षा शर्मा

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ की प्राणि विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ आकांक्षा शर्मा को विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड नई दिल्ली की ओर से "न्यूरल बेसिस आफ एवियन माइग्रेशन" विषय पर एसईआरबी-स्टार्टअप परियोजना के लिए 30 लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत हुआ है। यह अनुदान तीन वर्ष के अनुसंधान के लिए तीस लाख रुपये स्वीकृत हो चुका है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों में प्रतिभा की कमी नहीं है।

समस्याओं के निस्तारण के लिए तय होगी जिम्मेदारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति के आवेदन, पैन का पानी, साफ-सफाई से लेकर जिम्मेदारी तय की जाएगी, ताकि छात्र-छात्राओं को हर समस्या के लिए इधर उधर चक्कर न लगाने पड़ें। इसके लिए चार अतिरिक्त और 17 सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण की टीम बनाई गई है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर संगीता साहू ने बताया कि अक्सर द्वितीय परिसर के विद्यार्थी अपनी समस्या को लेकर पुराने परिसर आते हैं। अन्य छात्र-छात्राएं भी किसी भी तरह की समस्या के लिए परेशान न हों। इसके लिए योजना बनाई जा रही है कि टीम के सदस्यों की जिम्मेदारी तय कर दी जाए। छात्रवृत्ति के आवेदन में कोई समस्या हो या पीने के पानी की दिक्कत। टीम के सदस्य उसका निस्तारण करेंगे।

काउंसिलिंग 18 से

लखनऊ : डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय ने एम.एससबी पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए दूसरी प्रोविजनल मेरिट सूची शनिवार को जारी कर दी है। इस सूची के अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग 18 व 19 सितंबर को एकेडमिक ब्लाक-ए 2 के कमरा नंबर 341 में सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक होगी।

संशोधित सूची जारी : लखनऊ विश्वविद्यालय ने इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल (आइक्यूएसी) बोर्ड के सदस्यों की संशोधित सूची वेबसाइट पर जारी की है। बोर्ड के चेयरमैन कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय हैं।

30 तक फीस जमा होगी : अग्रवा गर्ल्स डिग्री कालेज में बीकाम द्वितीय सेमेस्टर की छात्राओं को फीस जमा करने का मौका 30 सितंबर तक दिया है। 21410 रुपये फीस जमा होगी। इसकी विस्तृत सूचना वेबसाइट पर जारी की गई है।

PIONEER PAGE 4

कक्षाएं 25 से

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में एम.एससी बटनी रेगुलर, सेल्फ फाइनेंस तथा माइक्रोबायोलाजी प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 25 सितंबर से समय सारिणी के अनुसार शुरू होंगी। बाटनी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मुन्ना सिंह ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। (संवा.)

किया जागरूक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में सिविल इंजीनियरिंग विभाग एवं अप्लाइड साइंस एंड ह्यूमैनिटीज विभाग की ओर से "विश्व ओजोन दिवस" के उपलक्ष में 'ओजोनस्केप: आर्ट फार ए ग्रीनर टूमारो' विषय पर कार्यक्रम हुआ। इसमें पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता व 'एक्सपर्ट टाक' हुई। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुख्य पर्यावरण अधिकारी डा. राम करण ने प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र में उभरती आधुनिक कार्यप्रणालियों की चर्चा कर छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया। (संवा.)

AMRIT VICHAR PAGE 4

डॉ. आकांक्षा शर्मा को शोध के लिए मिला तीस लाख का अनुदान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ की प्राणि विज्ञान की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ आकांक्षा शर्मा को विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड नई दिल्ली द्वारा न्यूरल बेसिस ऑफ एवियन माइग्रेशन विषय पर एसईआरबी - स्टार्ट अप परियोजना का अनुदान प्रदान किया गया। डॉ आकांक्षा को एसईआरबी स्टार्ट अप के अन्तर्गत तीन वर्ष के लिए अनुसंधान के लिए तीस लाख रूपये का अनुदान स्वीकृत किया गया है। इससे कुछ माह पूर्व भी डॉ आकांक्षा को अन्य अनुसंधान के लिए तीस लाख रूपये स्वीकृत हो चुके है। कुल अबतक साठ लाख अनुदान मिल चुका है।

लविवि की डॉ. आकांक्षा को 30 लाख का अनुदान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय की प्राणि विज्ञान की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आकांक्षा शर्मा को विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड की ओर से न्यूरल बेसिस ऑफ एवियन माइग्रेशन विषय पर एसईआरबी- स्टार्ट अप परियोजना का अनुदान दिया गया है।

डॉ. आकांक्षा को एसईआरबी स्टार्ट अप के तहत तीन वर्ष के लिए अनुसंधान के लिए तीस लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत किया है। कुछ माह पूर्व भी डॉ. आकांक्षा को अन्य अनुसंधान के लिए तीस लाख रूपये स्वीकृत हो चुके है। इन्हें अब तक कुल 60 लाख का अनुदान मिल चुका है। इस उपलब्धि पर लविवि के कुलपति प्रो.आलोक राय ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विवि के शिक्षकों में प्रतिभा की कमी नहीं है। यहां के शिक्षकों को अनुसंधान के लिए डीएसटी, एसईआरबी से मिले अनुदान से विद्यार्थियों को अनुसंधान करने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा। डॉ. आकांक्षा शर्मा को दूसरी बार 30 लाख का अनुदान प्राप्त हुआ है। यह शिक्षक की मेहनत का प्रतिफल है।

LOKSATYA PAGE 3

प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया पर हुआ व्याख्यान

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविधालय के दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से शनिवासरीय संगोष्ठी की विशेष श्रृंखला में विभागाध्यक्ष डॉ रजनी श्रीवास्तव के संरक्षण में व्याख्यान हुआ। व्याख्यान में दर्शनशास्त्र विभाग के शोध छात्र मृदुल मिश्रा ने व्याख्यान दिया। उन्होंने 'पत्रकारिता नीतिशास्त्र व उसके मुख्य घटक' विषयक व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के विभाजन का वर्णन करने के साथ-साथ उसके विशेष गुणों गोपनीयता, स्वायत्ता, पारदर्शिता व न्याय का वर्णन किया। डॉ रजनी श्रीवास्तव के साथ विभाग के प्राचार्य प्रो राकेश चंद्रा, डॉ प्रशांत शुक्ला, राजेंद्र वर्मा मौजूद रहे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

डॉ. आकांक्षा को मिला 30 लाख का अनुदान

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ।

लखनऊ विश्वविद्यालय की प्राणि विज्ञान की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.आकांक्षा शर्मा को विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड नई दिल्ली द्वारा न्यूरल बेसिस ऑफ एवियन माइग्रेशन विषय पर एसईआरबी स्टार्टअप परियोजना का अनुदान प्रदान किया गया। डॉ.आकांक्षा को एसईआरबी स्टार्टअप के तहत तीन वर्ष के लिए अनुसंधान के लिए 30 लाख रूपये का अनुदान स्वीकृत किया गया। इससे कुछ माह पूर्व भी डॉ.आकांक्षा को अन्य अनुसंधान के लिए 30 लाख रूपये स्वीकृत हो चुके है। इन्हें अब तक कुल 60 लाख का अनुदान मिल चुका है। इस उपलब्धि पर लविवि के कुलपति प्रो.आलोक राय ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विवि के शिक्षकों में प्रतिभा की कमी नहीं है। यहां के शिक्षकों को अनुसंधान के लिए डीएसटी, एसईआरबी से मिले अनुदान से विद्यार्थियों को अनुसंधान करने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा। डॉ.आकांक्षा शर्मा को दूसरी बार 30 लाख का अनुदान प्राप्त हुआ है। यह शिक्षक की मेहनत का प्रतिफल है। विवि के विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. विभूति राय, रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो.संगीता रानी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.संगीता साहू, डीन रिसर्च प्रो.राजीव पांडे, डीन एकेडमिक प्रो.गीताजलि मिश्रा सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने डॉ.आकांक्षा शर्मा को बधाई दी।

छात्रों ने कुशल रचनात्मकता व उत्तम चित्रकला का किया प्रदर्शन

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में सिविल इंजीनियरिंग विभाग और अप्लाइड साइंस एंड ह्यूमैनिटीज विभाग ने विश्व ओज़ोन दिवस पर ओजोनस्केप आर्ट फॉर अ ग्रीनर टूमारोज शीर्षक कार्यक्रम का आयोजन किया। संकायाध्यक्ष प्रो.ए.के.सिंह के मार्गदर्शन में पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता व एक्सपर्ट टॉक का संचालन हुआ। जिसके मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुख्य पर्यावरण अधिकारी डॉ.राम करण रहे। जिन्होंने प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र में उभरती आधुनिक कार्यप्रणालियों की चर्चा करते हुए छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया। आयोजन का मुख्य आकर्षण रही पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में अनेक मेधावी छात्रों ने अपनी कुशल रचनात्मकता एवं उत्तम चित्रकला का प्रदर्शन करते हुए ओज़ोन परत के क्षरण पर अंकुश लगाने एवं जलवायु परिवर्तन के विषय से संबंधित संदेशात्मक पोस्टर बनाए। कार्यक्रम का समापन करते हुए संकायाध्यक्ष प्रो.एके सिंह ने सभी को संबोधित करते हुए पर्यावरण सरंक्षण एवं प्रदुषण नियंत्रण के लिए युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए आयोजन में मौजूद सभी लोगों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर डॉ.दीपक गुप्ता, समन्वयक आप्लाइड सांइस एवं ह्यूमैनिटीज, निधि श्रीवास्तव, समन्वयक सिविल इंजीनियरिंग विभाग, गौरव श्रीवास्तव, जितेंद्र प्रताप सिंह, डॉ.अनुपम त्रिपाठी और डॉ.रणविजय प्रताप सिंह सभी शिक्षकगण एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने अति उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।

मीडिया के प्राथमिक कार्यों पर की चर्चा

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्वविधालय के दर्शनशास्त्र विभाग ने शनिवार

पत्रकारिता नीतिशास्त्र तथा उसके मुख्य घटक पर व्याख्यान

सेमिनार की विशेष श्रृंखला में विभागाध्यक्ष डॉ.रजनी श्रीवास्तव के संरक्षण में एक व्याख्यान का आयोजन किया। जिसमें दर्शनशास्त्र विभाग के शोध छात्र मृदुल मिश्रा ने अपना व्याख्यान दिया। पत्रकारिता नीतिशास्त्र तथा उसके मुख्य घटक विषय पर आयोजित व्याख्यान के माध्यम से उन्होंने प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया के विभाजन का वर्णन करने के साथ-साथ उसके विशेष गुणों जिसमें गोपनीयता, स्वायत्ता, पारदर्शिता और न्याय का वर्णन किया। व्याख्यान में उन्होंने कहा कि मीडिया के प्राथमिक कार्य किस प्रकार से समाज के लिए एक नैतिक उत्तर दायित्व की समस्या को उत्पन्न करते हैं। मीडिया की स्वायत्तता एवं उसकी प्रमाणिकता के लिए पीसीआई के कार्यों के ऊपर भी प्र